

प्रेषक,

विनोद फोनिया,  
सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
पशुपालन विभाग,  
उत्तराखण्ड देहरादून।

पशुपालन अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 20 मई, 2010

विषय: चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय व्ययक में प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष राज्य सैक्टर योजनाओं में धनराशि अवमुक्त किया जाना।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके पत्र संख्या-09/नि०/आय-व्ययक/2010-11 दिनांक 1 अप्रैल, 2010 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत पशुपालन विभाग में गठित बोर्डों यथा पशुकल्याण एवं गौ सेवा और उत्तराखण्ड भेड़ एवं ऊन विकास बोर्ड हेतु प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष योजना की अवचनबद्ध मदों में रु० 11.25 लाख एवं रु० 5.90 लाख कुल धनराशि **रुपया 17.15 लाख** (रुपया सत्तरह लाख पन्द्रह हजार) की धनराशि निम्न विवरणानुसार व्यय हेतु आपके निवर्तन पर प्रादिष्ट किए जाने की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान करते हैं :-

(धनराशि लाख रु० में)

लेखाशीर्षक	योजना का नाम	मद संख्या	अवमुक्त होने वाली धनराशि
मुख्य लेखाशीर्षक 2403-पशुपालन-आयोजनागत -00-001-निदेशन तथा प्रशासन	04-पशुकल्याण एवं गौ सेवा (राज्य सेक्टर)	04-यात्रा व्यय	1.00
		07-मानदेय	5.00
		08-कार्यालय व्यय	1.00
		11-लेखन सामग्री	0.50
		12-कार्यालय फर्नीचर	0.25
		18-प्रकाशन	1.50
		19-विज्ञापन	1.00
		42-अन्य व्यय	1.00
योग			11.25
2403-पशुपालन-आयोजनागत -00-104-भेड़ तथा ऊन विकास	03-उत्तरांचल भेड़ एवं ऊन विकास बोर्ड (राज्य सेक्टर)	04-यात्रा व्यय	0.50
		07-मानदेय	4.00
		08-कार्यालय व्यय	0.75
		11-लेखन सामग्री	0.25
		12-कार्या.फर्नी.उपकरण संयंत्र	0.00
		19-विज्ञापन	0.00
		26-मशीन साज सज्जा	0.20
		42-अन्य व्यय	0.20
योग			5.90
महायोग (11.25 + 5.90 = 17.15 लाख)			

(रुपया सत्तरह लाख पन्द्रह हजार मात्र)

- (1) धनराशि को व्यय किये जाने से पूर्व जहां कहीं आवश्यक हो सक्षम अधिकारी की स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय तथा शासन द्वारा समय-समय पर जारी किये गये मितव्ययता संबंधी निर्देशों का पालन अवश्य किया जाय।
  - (2) बजट मैनुअल में निर्धारित प्रक्रिया के अधीन कोषागार द्वारा प्रमाणित बाउचर संख्या एवं दिनांक के आधार पर अंकित बजट की सीमा में प्रतिमाह 5 तारीख तक प्रपत्र बी०एम० 13 पर विभागाध्यक्ष द्वारा सूचना वित्त विभाग को अनिवार्य रूप से उपलब्ध करायी जाय।
  - (3) इस संबंध में स्पष्ट किया जाता है कि अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत रूप से व्यय न किया जाय। धनराशि का व्यय वित्त हस्तपुस्तिका में उल्लिखित नियमों, क्रय संबंधी शासनादेशों का पालन कर किया जाय। धनराशि का व्यय एवं आहरण आवश्यकतानुसार ही किया जाय।
2. उक्त धनराशि का व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 में अनुदान संख्या-28 के अन्तर्गत उक्तानुसार उल्लिखित लेखाशीर्षक के सुसंगत मानक मदों के अन्तर्गत वहन किया जायेगा।
3. यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-19(P)/XXVII(1)/2010 दिनांक 17 मई, 2010 में प्राप्त उनकी सहमति से किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(विनोद फोनिया)  
सचिव

संख्या: 1102 (1) / XV-1/2010 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :

1. निजी सचिव, मुख्य सचिव को मुख्य सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
2. निजी सचिव, प्रमुख सचिव एवं आयुक्त, वन एवं ग्राम्य विकास को प्रमुख सचिव महोदय के संज्ञानार्थ प्रस्तुत करने हेतु।
3. महालेखाकार उत्तराखण्ड।
4. उप निदेशक, पशुपालन विभाग, पशुलोक, ऋषिकेश।
5. मुख्य अधिशासी अधिकारी, उत्तराखण्ड भेड़ एवं ऊन विकास बोर्ड, देहरादून।
6. सचिव, पशुकल्याण एवं गौ सेवा आयोग, देहरादून।
7. मुख्य पशुचिकित्साधिकारी, देहरादून।
8. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल, पौड़ी।
9. जिलाधिकारी, देहरादून।
10. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
11. बजट राजकोषीय नियोजन तथा संसाधन निदेशालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
12. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय देहरादून।
13. वित्त अनुभाग-4।
14. मीडिया सेन्टर, उत्तराखण्ड सचिवालय।
15. गार्ड फाइल।

आज्ञा सी,  
(जी०बी० ओली)  
संयुक्त सचिव